

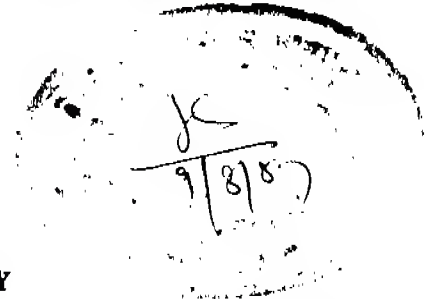


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 1]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 7, 1987/पौष 17, 1908

No. 1]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 7, 1987/PAUSA 17, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, 31 दिसम्बर, 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

निर्देश सं. आर.वे.सी. 18/86-87—अतः सुझे टी. गोरखनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ के अधीन संक्षेप प्रार्थनाकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसका सं. भूमी है जो गुडल पोचमपल्ली, विलेज, स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय में मंडल में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रार अधिनियम के अनुसार अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उम्मेद करने के लिए सूकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने के लिए सूकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के के शर्तों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) जी. रामकृष्णा रेड्डी पिता बाल रेड्डी, घर नं. 11-24, बुरटोगुडा, हुकोनारम, सिकन्दरबाद-500003. (अन्तरक)

- (2) श्री ज. महेंदर रेड्डी पिता जी. रामकृष्ण रेड्डी, घर नं. 11-24 बुरटोंगुडा, बोलारम, सिकंदराबाद.
- (3) मेसर्स अभिशेक स्टील लि., 72, पैग कालोनी, सिकंदराबाद, रीप्रजेटेड बाइ इररेक्टर्स: गोपाल आगरवाल, घर नं. 72, पैग कालोनी, सिकंदराबाद, और श्री आशोक आगरवाल पिता प्रह्लाद राह आगरवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाब गंज, हैदराबाद-500002. (अन्तरिति)

(को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो)

- (क) इस सूचित के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्बन्ध के अन्तरिति को भी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया है।

अनुसूची

बंजर भूमी सर्वे नं. 72 और 73, बिस्तर्ण 4 एकर, गुंडला पोचमपल्ली विलेज, मेडचल, जीला रंगारेड्डी, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल, रजिस्ट्रीकृत विलेज नं. 2558/86.

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION

RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 31st December, 1986

Notice Under Section 269 D [1] of the Income-Tax Act, 1961 [43 of 1961]

Ref. No. RAC. 18/1986-87.—Whereas I, T. Goraknathan being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair marketing value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value

of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer : and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri G. Ramakrishna Reddy, S/o Shri Bal Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollaram, Secunderabad.
2. Shri G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishna Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollaram, Secunderabad. (Transferor)
3. M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500 003, Represented by its Directors, Shri Gopal Agarwal, H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390, Rikabgunj, Hyderabad-500002. (Transferee).

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medical—vide document No. 2558/86.

निर्देश स. धार. ये. सी. 18/86-87.—अतः मुझे टी गोरक्षनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है जो गुंडला पोचमपल्ली, विलेज स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और तय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 41) की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) जी. रामी रेड्डी (2) जी. श्रीनिवासा रेड्डी पिता श्री बाल रेड्डी, 9/89, बुरटोंगुडा, बोलारम, सिकंदराबाद; (3) श्रीमति टी. भारती, पति जनार्दन रेड्डी संतोषनगर, सह्याबाद, हैदराबाद; (4) श्रीमति बि. सुगुना, पति बि. जनार्दन रेड्डी, आलीयाबाद, हैदराबाद; (5) श्रीमति एन. स्वरूप, पति एन. मोना रेड्डी, जंगामीट्ट, फलकनूमा, हैदराबाद; (6) श्रीमति पि. वसंता, पति पि. प्रताप रेड्डी बोड्डपाल, मेडचल तालुक. (अन्तरक)

मैसर्स अधिशोक स्टोल लि. 72 पैग कालोनी, सिकंदराबाद, राजप्रेमदेव बाई गोपाल आगरवाल, पिताब्रिजबाल आगरवाल, रेसीडेंस 72, पैगकालोनी, सिकंदराबाद (2) अशोक आगरवाल, पिता प्रह्लाद राई आगरवाल रेसीडेंस नं. 21-1-390, रोबाबगंज, हैदराबाद-500002.

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निम्न किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्बन्ध के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है अक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विख्यात है।

अनुसूची

बंजर भूमि, सर्वे नं.—71 और 72, विस्तीर्ण 4 एकर, गुंडला पोचमपल्ली, विलेज, मेडचल, मंडल रंगा रेड्डी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2559/86 रजिस्ट्रीकृत जिला अधिकारी, मेडचल।

Ref. No. R.A.C. 18/1986-87.—Whereas, I, T. Goraknathan being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), to the following persons, namely:—

Transferors :

1. Shri G. Rami Reddy.
2. Shri G. Sreenivasa Reddy.
Sons of late Shri Bal Reddy, 9/89, Burton-guda, Bolaram, Secunderabad.
3. Smt. T. Bharathi, W/o Shri Janardhan Reddy, Santosh Nagar, Saidabad, Hyderabad.
4. Smt. B. Suguna, W/o Shri B. Janardhan Reddy, Aliabad, Hyderabad.
5. Smt. N. Swaroopa, W/o Shri N. Meena Reddy, Jangameetu, Falakunma, Hyderabad.
6. Smt. P. Vasantha, W/o Shri P. Pratap Reddy, Bodduppall, Medchal Taluk.

Transferees :

M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at 72. Paigah Colony, Secunderabad-500003.

Represented by :

1. Shri Gopal Agarwal, S/o Shri Bindraban Agarwal, Resident of No. 72, Paigah Colony, Secunderabad.
2. Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahalad Rai Agarwal, Resident of No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500 002.

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of survey Nos. 71 and 72 admeasuring four acres situated at Gundla Pochampally Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medchal—vide document No. 2559/86.

निर्देश सं. आर.ये.सी. 18/86-87 :— अतः मुझे, टी. गोरखनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाभाविक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसको सं. भूमि है, जो गुंडला पोचम्पल्ली विलेज स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुखी में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1986 को प्राप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रार विलेज के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार-मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।]

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमते बचने के लिए सुकर बनाना; और/या]

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और तब आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन 20-क के शर्तों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किये गए हैं।

अर्त: अधिनियम 269-ग के अनुसूचन में, मैं अथवा अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा. जी. बालकृष्णा रेड्डी, पिता भूतपूर्व जी. बाल रेड्डी 9/103/2, बुरटोंगुडा, बोलारम, सिकंदराबाद (अन्तरक)

2. मैसर्स अभिशेक स्टील्स लि., पैग कालोनी, सिकंदराबाद-500003
रीप्रजेटेड बाइ डायरेक्टर्स श्री गोपाल आगरवाल पिता श्री बिद्राबन आगरवाल, रेसीडेंट नं. 72, पैग कालोनी, सिकंदराबाद-500003, और श्री अशोक आगरवाल पिता श्री प्रह्लाद राव आगरवाल, घर नं. 21-1-390 रिकबागुन, हैदराबाद-500002 (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्बन्धी के अन्तरिकी को दी जाएगी;

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, अक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया है।

अनुसूची

बजर भूमि सर्वे नं. 71, विस्तीर्ण 2 एकर, गुंडला पोचमपल्ली विलेज, मेडचल मंडल, रंगा रेड्डी जिला, राजीव्दीक्षित विलेज नं. 2590/86, राजीव्दीक्षित अधिकारी मेडचल।

Ref. No. R.A.C. 18/1986-87.—Whereas, I. T. Goraknathan, being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)—

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Dr. G. Balakrishna Reddy, S/o late G. Bal Reddy, 9/103/2, Burtonguda, Bolaram, Secunderabad. (Transferor)
2. M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003. (Transferee)

Represented by its Directors, Shri Gopal Agarwal, S/o Shri Bindraaban Agarwal, Resident of No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003.

Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500 002.

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing part of survey No. 71, admeasuring two acres situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District, Andhra Pradesh, registered by the Sub-Registrar, Medchal-vidé document No. 2590/86.

विशेष सं. आर. ए. सी. 18/86-87 :—अतः मुझे, टी. गोरखनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है, जो गुंडला पोचमपल्ली विलेज, स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अर्जन, 1986 की पूर्ववर्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्ववर्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि या जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ववर्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जी. राम, रेड्डी पिता बाल रेड्डी और 2. जी श्रीनिवास रेड्डी पिता रामी रेड्डी, घर नं. 9-89, बुरडंगुडा, निकंदराबाद, (3) टी. भारती पति टी. जनार्दन रेड्डी, सतोयनगर कॉलोनी, हैदराबाद (4) श्रीमती बि. सुगुना पति बि. जनार्दन रेड्डी, मालोबाबाद, हैदराबाद (5) श्रीमती यन. स्वर्णा पति श्री सीमा रेड्डी, जंगमेट्टु, फलकनुमा, हैदराबाद। (6) श्रीमती पि. बसंता पति पि. प्रताप रेड्डी, मोहम्मल, मेडचल तालुक, जिला रंगा रेड्डी। (अन्तरक)

मेसर्स अभियोक स्टील लि., 72 पैग कॉलोनी, सिकंदराबाद-500003। रीप्रजेंटेड बाई गोपाल अमरवाल पिता बिदादन अमरवाल, नं. 72, पैग कॉलोनी, सिकंदराबाद, श्री अलोक अमरवाल पिता प्रहलाद राव अमरवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाब गंज, हैदराबाद-500002। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी कर के पूर्ववर्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववर्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इन स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आदेशों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिन्होंने ऐसा आक्षेप किया है तथा संबंधी के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विख्यात है।

अनुसूची

वर्जर भूमि विस्तीर्ण 4 एकड़, सर्वे नं. 71 और 72, गुंडला पोचमपल्ली विलेज, मेडचल मंडल, जिला रंगा रेड्डी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2593/86, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी मेडचल।

Ref. No. RAC 18/1986-87.—Whereas, I, T. Goraknathan being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer : and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

Transferors :

1. Shri G. Rami Reddy, S/o Shri Bal Reddy H. No. 9-89, Burgon.
2. Shri G. Sreenivasa Reddy, Son of Shri Rami Reddy guda, Secunderabad.
3. Smt. T. Bharathi, W/o Shri T. Janardhana Reddy, Santoshnagar Colony, Hyderabad.
4. B. Suguna, W/o Shri B. Janardhan Reddy, Aliabad, Hyderabad.
5. Smt. N. Swaroopa, W/o Shri Meena Reddy, Jangamettu, Falaknuma, Hyderabad.
6. Smt. P. Vasantha, W/o Shri PP. Pratapa Reddy, Bodduppall, Medchal tk. Dist. R.R.

Transferees :

M/s. Abhishek Steels Ltd., Office situated at 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003.

Represented by :

1. Shri Gopal Agarwal, Son of Shri Bindrabhan Agarwal, No. 72, Paigah Colony, Secunderabad.
2. Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500 002.

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of Survey Nos. 71 and 72 admeasuring Four Acres situated at Gundia Fochampally Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District - registerel by the Sub Registrar, Medchal - vide document No. 2593/86.

निर्देश सं. आर.ये.सी. 18/86-87 :—प्रतः सुमे टो. गोरखनाथम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर

सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है, जो गुंडुला पोचमपल्ली विलेज, में स्थित है (और इससे उपाकृत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेज के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमरे बचने के लिए मुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किये गए हैं।

प्रतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्नः—

1. जी. रामकृष्णा रेड्डी पिता बाल रेड्डी
घर नं. 11-24, कुट्टीगुडा, बोलाराम, सिकंदराबाद
2. श्री जी. महेश्वर रेड्डी पिता जी. रामकृष्णा रेड्डी, घर नं. 11-24, कुट्टीगुडा, बोलाराम सिकंदराबाद। (अन्तरक)

3. मैसर्स अभिशेक स्टील्स लि., 72, पैग कॉलोनी, सिकंदराबाद, बाह्य आयरेक्टर, गोपाल अगरवाल [पिता विश्वामन अगरवाल, और प्रमोद अगरवाल पिता प्रल्हाद साह अगरवाल, घर नं. 21-1-390, रिकब गंज, हैदराबाद-500002।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो जी प्रथम भाग में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य

व्यक्ति द्वारा प्रयोगकर्ता के पास विहित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस आधार सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर से किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा संबंधी के प्रतिनिधि को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिनसे पूर्ववत् द्वारा के अर्जन सूचना भी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अर्थनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया है।

अनुसूची

बंजर कृषि भूमि सर्वे नं. 72 और 73, विस्तीर्ण 4 एकड़, और 10 गुटे गूडला, पोचमपल्ली, मेडचल, जिला रंगारेड्डी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2594/86, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल।

टा. गोरकनाथन, सक्षम अधिकारी
(महायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 31-12-1986

Ref. No. RAC 18/1986-87.—Whereas, I, T. Goraknathan being the competent authority under Section 269-D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Transferors :

- Shri G. Ramakrishna Reddy, S/o Shri Bal Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollaram, Secunderabad.
- Shri G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishna Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollaram, Secunderabad.

Transferees:

M/s. Abhishek Steels Limited, Office at 72, Paigah Colony, Secunderabad-500 003.

Represented by its Directors, Shri Gopal Agarwal, S/o Shri Bindraban Agarwal, H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahlad Rai Agarwal, No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500 002.

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned).

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres and Ten Guntas (4—10) situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District-registered by the Sub Registrar, Medchal- vide document No. 2594/86.

T. GORAKNATHAN, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)
Date : 31-12-1986

Seal

Hyderabad